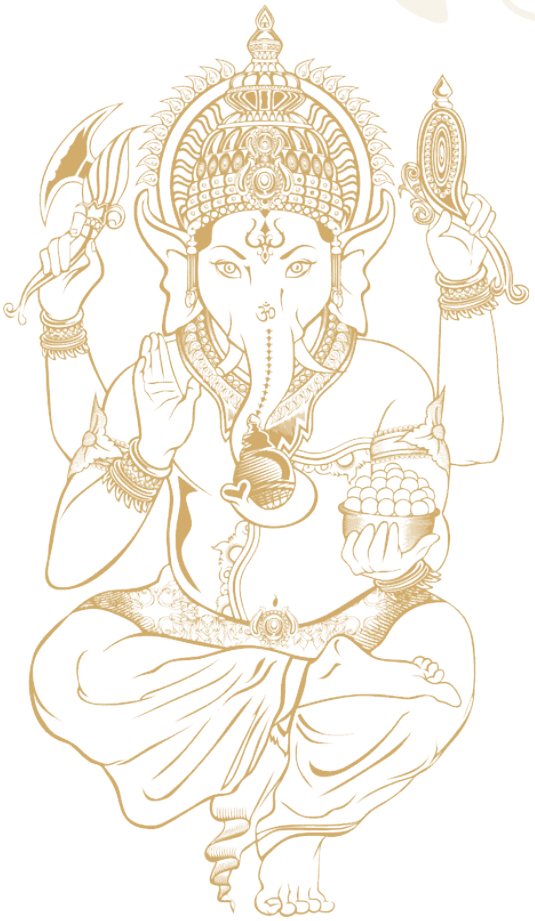

Vidya Bharati

19 Jun 2000

10:27 AM

Patan

Model: web-freekundliweb

Order No: 121582014

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**19/06/2000**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**10:27:00 घंटे**
इष्ट	13:23:22 घटी
स्थान	**Patan**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:14:00 उत्तर
रेखांश	84:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:06:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:33:48 घंटे
वेलान्तर	-00:01:21 घंटे
साम्पातिक काल	04:24:43 घंटे
सूर्योदय	05:05:39 घंटे
सूर्यास्त	18:43:28 घंटे
दिनमान	13:37:50 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	04:21:29 मिथुन
लग्न के अंश	14:30:22 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 1**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	ऐन्द्र
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भे-भैरवी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	14:30:22	325:16:22	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	---
सूर्य			मिथु	04:21:29	00:57:15	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	सम राशि
चंद्र			धनु	29:01:22	11:47:21	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	सम राशि
मंगल		अ	मिथु	07:56:30	00:40:11	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	शत्रु राशि
बुध			मिथु	25:26:51	00:18:53	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	स्वराशि
गुरु			वृष	03:45:26	00:13:11	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मिथु	06:29:02	01:13:42	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	मित्र राशि
शनि			वृष	01:28:31	00:06:55	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
राहु	व		कर्क	00:49:01	00:00:10	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	शत्रु राशि
केतु	व		मक	00:49:01	00:00:10	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	26:43:14	00:01:09	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप	व		मक	12:16:26	00:01:11	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	17:13:03	00:01:32	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
दशम भाव			वृष	14:05:19	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:33

लग्न-चलित

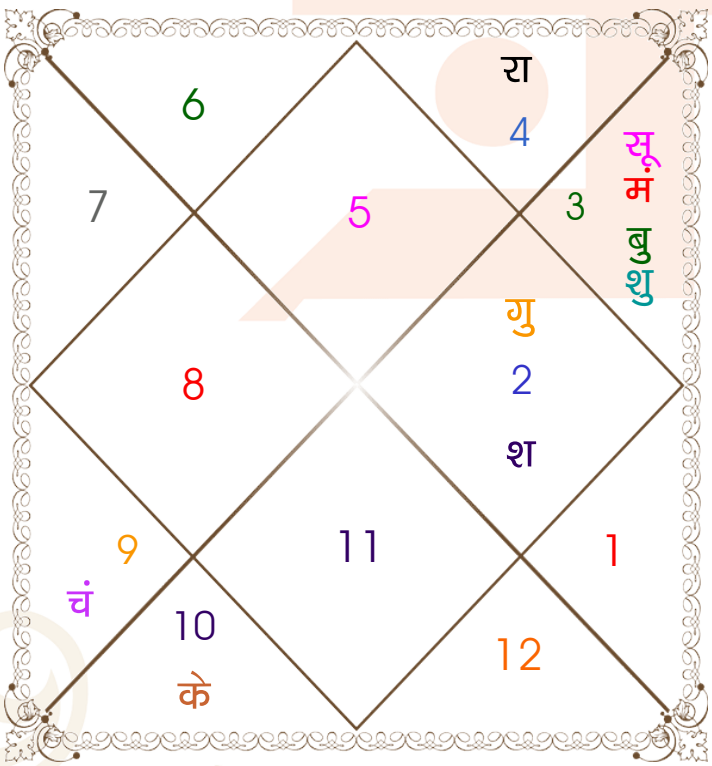

चन्द्र कुंडली

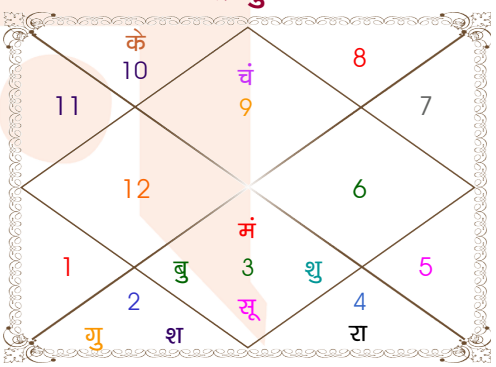

नवमांश कुंडली

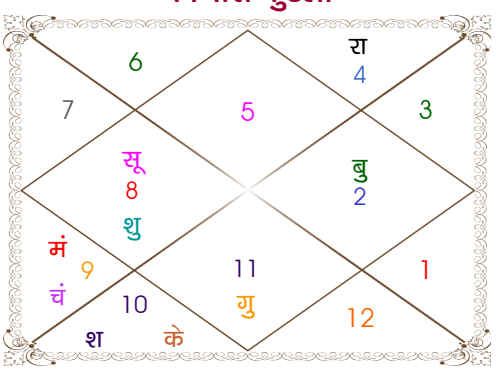

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 4 वर्ष 11 मास 8 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
19/06/2000		28/05/2005		29/05/2015		28/05/2022		28/05/2040	
28/05/2005		29/05/2015		28/05/2022		28/05/2040		28/05/2056	
	00/00/0000	चंद्र	29/03/2006	मंगल	25/10/2015	राहु	08/02/2025	गुरु	16/07/2042
	19/06/2000	मंगल	28/10/2006	राहु	11/11/2016	गुरु	04/07/2027	शनि	26/01/2045
मंगल	22/07/2000	राहु	27/04/2008	गुरु	18/10/2017	शनि	10/05/2030	बुध	04/05/2047
राहु	15/06/2001	गुरु	27/08/2009	शनि	27/11/2018	बुध	27/11/2032	केतु	09/04/2048
गुरु	04/04/2002	शनि	29/03/2011	बुध	24/11/2019	केतु	15/12/2033	शुक्र	09/12/2050
शनि	17/03/2003	बुध	27/08/2012	केतु	21/04/2020	शुक्र	15/12/2036	सूर्य	27/09/2051
बुध	21/01/2004	केतु	28/03/2013	शुक्र	22/06/2021	सूर्य	09/11/2037	चंद्र	26/01/2053
केतु	28/05/2004	शुक्र	27/11/2014	सूर्य	27/10/2021	चंद्र	10/05/2039	मंगल	02/01/2054
शुक्र	28/05/2005	सूर्य	29/05/2015	चंद्र	28/05/2022	मंगल	28/05/2040	राहु	28/05/2056

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
28/05/2056		29/05/2075		28/05/2092		29/05/2099		30/05/2119	
29/05/2075		28/05/2092		29/05/2099		30/05/2119		00/00/0000	
शनि	01/06/2059	बुध	24/10/2077	केतु	24/10/2092	शुक्र	28/09/2102	सूर्य	16/09/2119
बुध	08/02/2062	केतु	22/10/2078	शुक्र	24/12/2093	सूर्य	28/09/2103	चंद्र	17/03/2120
केतु	20/03/2063	शुक्र	21/08/2081	सूर्य	01/05/2094	चंद्र	29/05/2105	मंगल	20/06/2120
शुक्र	19/05/2066	सूर्य	28/06/2082	चंद्र	30/11/2094	मंगल	29/07/2106		00/00/0000
सूर्य	01/05/2067	चंद्र	27/11/2083	मंगल	28/04/2095	राहु	29/07/2109		00/00/0000
चंद्र	30/11/2068	मंगल	24/11/2084	राहु	16/05/2096	गुरु	29/03/2112		00/00/0000
मंगल	08/01/2070	राहु	13/06/2087	गुरु	22/04/2097	शनि	30/05/2115		00/00/0000
राहु	14/11/2072	गुरु	18/09/2089	शनि	31/05/2098	बुध	30/03/2118		00/00/0000
गुरु	29/05/2075	शनि	28/05/2092	बुध	29/05/2099	केतु	30/05/2119		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 4 वर्ष 11 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। सिंह लग्नोदय काल ही सिंह राशि का नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। आपका जन्म प्रभाव यह प्रमाणित कर रहा है कि आपका जीवन सर्वोत्तम प्रकार से व्यतीत होगा। ऐसा तो आपके जीवन का 28 वें वर्ष से आपका समय अच्छे होने लग जाएंगे। आयु के 28 वें वर्ष से 32 वें वर्ष की आयु तक का समय बहुत ही उत्तम एवं अनुकूल होगा।

आपके जीवन का बृहत्तर भाग मखमली अर्थात् ''पांचों उंगुली घी में'' जैसा लाभजनक रहेगा। इस समय आपके जीवन के सभी आवश्यक पक्ष संतोषजनक रहेंगे। आपके लिए सौभाग्य प्रदान करने वाला ऐसा समय हस्तगत होगा कि आप मिट्टी छूओ तो सोना बन जाएगा और आप जिस कार्य को हस्तगत कर लोगी उसी में सफल हो जाओगी।

आप इस बात को अच्छी प्रकार जानती हैं कि लोगों के साथ धन संपत्ति का लेन-देन अर्थात् आदान प्रदान कैसे करेंगी। आपमें यह सामार्थ्य निहित है कि लोगों को अपने पक्ष में लेकर, दूसरों पर किस प्रकार प्रशासन करेंगी। आप किस प्रकार लोगों से सहयोग प्राप्त कर प्रचूर मात्रा में लाभान्वित होंगी तथा आपका कार्य व्यवधान रहित होकर प्रगति करेगा। जब आप किसी को वस्तु उधार दे देती हैं और कोइ समस्या उत्पन्न हो जाती है। आप धैर्यपूर्वक संपर्क स्थापित कर समस्या का समाधान कर उस धन या वस्तु को प्राप्त कर लेती हैं।

आप में एक अन्य प्रकार की भव्य क्षमता विद्यमान हैं। वह यह है कि आप यह जानती हैं कि आप अपने से उच्च अधिकारी को किस प्रकार प्रभावित करेंगी तथा सर्वोच्च अधिकारी से संपर्क अर्थात् सानिध्यता प्राप्त कर लेती हैं। परिणाम स्वरूप आप लाभप्रद, अधिकारपूर्ण पद प्रतिष्ठा प्राप्त कर लेंगी। यथा कंपनी का प्रबंधक, अथवा किसी भी निगम और परिषद का निर्देशक पद आदि। आप निश्चित समय पर ऐसी युक्ति पूर्ण चाल को अच्छी प्रकार अपने अधिकारी के पास प्रस्तुत कर देंगी। ताकि आप की चाल सफल हो जाती है। आप में एक अच्छे नेता के गुण विद्यमान है।

आप अनेक कलाओं की ज्ञाता एवं सक्षम हैं। आप किसी भी समस्या का समाधान निकाल लेने में तथा किसी भी विरोधात्मक परिस्थिति को पार कर लेने में सक्षम है तथा विरोधियों को परास्त कर सकती हैं। आप अपने किसी भी शत्रुओं के साथ संघर्ष करके विजय श्री प्राप्त करेंगे।

आपकी प्रभावशाली उपस्थिति हाव-भाव तथा आकर्षण विपरीत योनि के प्राणी के साथ रहेगा। जिस प्रकार चुंबक अपने आकर्षण शक्ति का प्रभाव लौह पर दिखाता है। उसी प्रकार आपके आकर्षण से पुरुष वशीभूत हो जाया करेंगे। आपकी इस प्रकार की प्रवृति से आपका समय आनंददायक प्रतीत होता है। परंतु इस प्रकार की प्रवृत्ति तथा कार्य कलाप से आपका पारिवारिक जीवन बाधित हो सकता है। आपके पास पति बच्चे एवं आनंददायक भवन का सुख उपलब्ध हो सकता है। अस्तु निरंतर इस पथ पर नहीं चलें। आपके साथ ऐसी समस्या जुडी है कि आप पूर्णरूपेण विश्राम नहीं कर पाती । उत्तम स्वास्थ्य के लिए आपको सतर्क रहना चाहिए।

आप सदैव अनेक प्रकार के कार्यक्रमों में सम्मिलित होने के लिए एक साथ प्रस्थान करती हैं। आपके द्वारा घोर परिश्रम किए जाने से स्नायुविक शक्तियां बुरी तरह पूर्ण रूपेण प्रभावित हो रही हैं। इस प्रकार कुछ समय वर्षों के पश्चात् आपको ह्रदय से संबंधित समस्याएं, गांठ-गांठ में तथा रीढ़ की हड्डियों में दर्द, रक्तचाप रोगादि से कष्ट समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु विश्राम भी ग्रहण किया करें।

आप सदैव अपनी एवं अपने परिवार की प्रतिष्ठा के प्रति सतर्क रहती हैं। चाहे कुछ भी हो जाए आप इस बात के लिए किसी भी परिस्थिति में कोई भी समझौता करने को तैयार नहीं हो सकती हैं।

आपके लिए उपयुक्त कार्यव्यवसायों में राजकीय केंद्रीय सरकार की सेवा के अतिरिक्त ट्रांसपोर्ट व्यवसाय, होटल उद्योग अथवा फोटोग्राफी व्यवसाय आदि अनुकूल है।

आपके लिए नारंगी रंग, लाल एवं हरा रंग अनुकूल है। परंतु नीला, सफेद एवं काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक भाग्यशाली अंक है, परंतु आपके लिए अंक 2, 7 एवं 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।